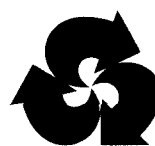


वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT 2003-04

Report  junction.com

A proud partner in Nation's progress...



इंडियन बैंक
Indian Bank

(Wholly owned by Govt. of India)

www.reportjunction.com



हमारे अध्यक्ष आंध्र प्रदेश में एसएचजी के तहत बैंक के निष्पादन हेतु भारत के माननीय राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से प्रतिष्ठित अवार्ड प्राप्त करते हुए ।

Chairman receiving the prestigious award from Hon'ble President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam for the Bank's performance under SHG in Andhra Pradesh.



तमिलनाडु राज्य में लगातार दूसरे वर्ष के लिए माइक्रो क्रेडिट प्रदान करने में बैंक को सभी बैंकों के बीच प्रथम स्थान पर रखा गया ।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 23.09.2003 को डॉ.एम.एस.स्वामीनाथन से चेन्नै में ट्रॉफी प्राप्त करते हुए।

In the State of Tamilnadu, the Bank was placed first among all the Banks in providing Micro Credit for the second consecutive year. CMD receiving the Trophy from Dr. M.S. Swaminathan at Chennai on 23.09.2003.



निदेशक मण्डल / Board of Directors



एम.बी.न. राव

अध्यक्ष / चेयरमैन

M B N RAO

Chairman & Managing Director



इंडियन बैंक
Indian Bank
(Wholly owned by Govt. of India)

*With Best
Compliments
from*

Shri. M. B. N. Rao
Chairman & Managing Director



निदेशक / Directors



राम मोयवा
RAM MUIVAH



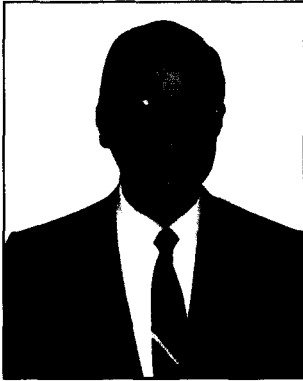
डॉ. रबी एन. मिश्र
DR. RABIN MISHRA



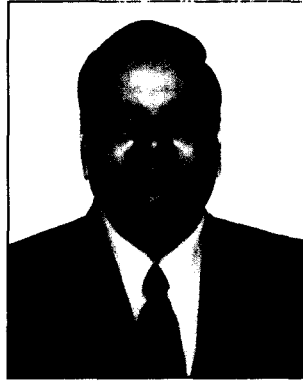
अशोक गुप्ता
ASHOK GUPTA



महा प्रबंधक / General Managers



एस अरुणाचलम
S ARUNACHALAM



डॉ जयंती लाल जैन
Dr. JAYANTILAL JAIN



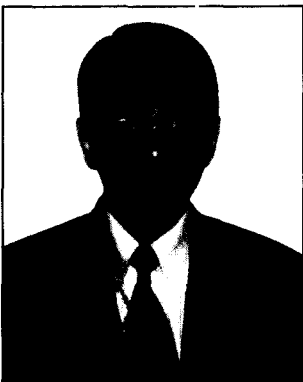
ए. आर. नागप्पन
A R NAGAPPAN



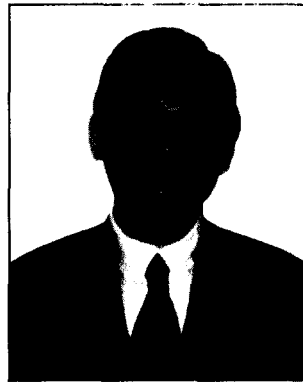
टी. वल्लियप्पन
T VALLIAPPAN



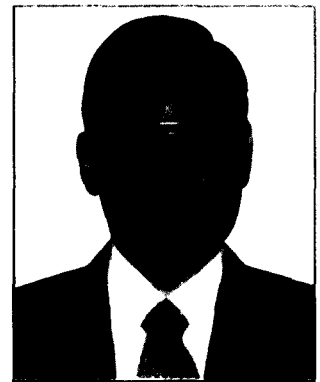
वी. संतानरामन
V SANTHANARAMAN



एस. आर. शिवस्वामी
S R SHIVASWAMY



वी श्रीनिवासन
V SRINIVASAN



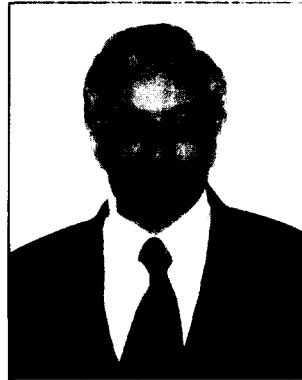
कृष्णमूर्ति केल्ला
KRISHNA MURTHY KELLA



महा प्रबंधक / General Managers



एस के विरमानी
S K VERMANI



एस सुरेश नायडू
S SURYA NAYANAN



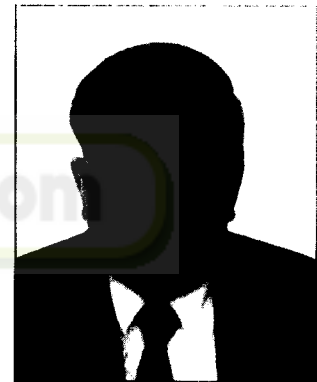
सी एस रामनी
C S RAMANI



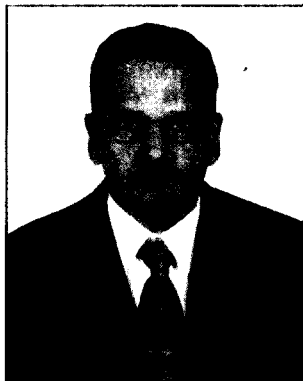
ए. विश्वनाथन
A VISWANATHAN



जग मोहन गर्ग
JAG MOHAN J GARG



आर रामचंद्र राज
R RAMACHANDRARAJ



के बी नागेन्द्र मूर्ति
K B NAGENDRA MURTHY



जे वी सुब्रह्मण्यम
J V SUBRAHMANYAM



निदेशकों की रिपोर्ट 2003-2004 Directors' Report 2003-04

इंडियन बैंक के निदेशक मण्डल को बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के साथ 31 मार्च 2004 तक के लेखा परीक्षित तुलनपत्र तथा 31 मार्च 2004 को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखे को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

वर्ष 2003-04 के दौरान बैंक ने पिछले वर्ष की तुलना में निवल लाभ को दुगुने से अधिक कर एक प्रभावशाली कार्य निष्पादन किया और पूँजी पर्याप्तता तथा सभी बड़े वित्तीय अनुपातों में पर्याप्त रूप से सुधार किया। बैंक का कारोबार रु.45,000 करोड़ के आँकड़े को पार कर गया तथा ए.सी. नीलसन - ओ आर जी मार्ग द्वारा दिसंबर 2003 में किए गए एक सर्वेक्षण में अच्छी सेवाओं के कारण बैंक प्रमुख दक्षिण स्थित सेवा ब्रैंड के रूप में सामने आया।

निदेशक मण्डल बैंक के समस्त सम्मानित ग्राहकों से लगातार मिलने वाले अटूट सहयोग के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता है। ग्राहकों के इस सहयोग के अभाव में ऐसी उत्कृष्ट ब्रैंड छवि एवं कारोबार तथा लाभप्रदता में सुधरा हुआ कार्य निष्पादन सम्भव न था। बोर्ड, वर्ष के दौरान सतत् वृद्धि की प्राप्ति में निष्ठापूर्वक योगदान के लिए स्टाफ सदस्यों की भी सराहना करता है। बैंक का लक्ष्य देश के श्रेष्ठतम बैंकों में से एक बनना है।

The Board of Directors of the Bank are pleased to present the Annual Report of the Bank together with audited Balance Sheet as on March 31, 2004 and Profit & Loss Account for the year ended March 31, 2004.

During 2003-04, the Bank reported an impressive performance by more than doubling the net profit as compared to last year and substantially improving the Capital Adequacy and all major financial Ratios. The business of the Bank crossed Rs.45,000 crore mark and by virtue of the quality of services, the Bank emerged as the foremost south based service brand, in a survey conducted by A.C.Nielsen-ORG-MARG in December 2003.

The Board places on record its deep gratitude for the continued unflinching support of all the esteemed customers of the Bank but for which such an excellent brand image and improved performance in business and profitability would not have been possible. The Board also appreciates the members of staff for their sincere contribution towards achieving a sustained growth during the year. The Bank aims at becoming one among the Best Banks in the country.

निदेशक मण्डल के लिए
और उनकी ओर से

एम बी एन राव

एम बी एन राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

For and on behalf of the
BOARD OF DIRECTORS

MBNRAO
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

प्रधान कार्यालय, चेन्नै
24 अप्रैल

Head Office, Chennai
April 24, 2004



अर्थव्यवस्था

- ❖ प्रमुख क्षेत्रों में देशी अर्थव्यवस्था में स्पष्टरूप से उत्साह जनक वृद्धि रही। वर्ष 2003-04 के दौरान समग्ररूप से औद्योगिक वृद्धि का पिछले वर्ष की 6.20 प्रतिशत की तुलना में अधिक आकलन किया गया, जो कि 6.60 प्रतिशत है। सेवा क्षेत्र में भी पिछले वर्ष के दौरान 7.2 प्रतिशत के मुकाबले 8.20 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। कृषि क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। वर्ष 2003-04 में समग्ररूप से सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2002-03 के 4.0 प्रतिशत की तुलना में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।
- ❖ वर्ष के लिए मुद्रास्फीतिकारक दबावों को संचालनीय स्तर के अन्दर ही रोक लिया गया था। वर्ष 2003-04 में मुद्रास्फीति की वार्षिक दर औसत आधार पर थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि द्वारा जिस प्रकार मापी गयी थी, पिछले वर्ष की 3.4 प्रतिशत की तुलना में अधिक थी, जो कि 5.4 प्रतिशत थी। जबकि अंक-दर-अंक आधार पर यह मार्च 2003 की समाप्ति पर 6.5 प्रतिशत से कम होकर मार्च 2004 की समाप्ति पर 4.5 प्रतिशत हो गई।
- ❖ भारत के विदेशी मुद्रा भण्डार में लगातार अच्छी वृद्धि दर्ज हुई जो कि वर्ष 2003-04 के दौरान 37.6 अरब (बिलियन) डॉलर से बढ़कर मार्च 2003 के अन्त तक 75.4 अरब (बिलियन) डॉलर से बढ़कर मार्च 2004 के अन्त तक 113.0 अरब (बिलियन) डॉलर हो गई।

निर्यात एवं आयात :

- ❖ राजकोषीय वर्ष 2003-04 के दौरान निर्यात में पिछले वर्ष के 20.3 प्रतिशत की तुलना में 17.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- ❖ राजकोषीय वर्ष 2003-04 के दौरान देश का आयात, तेल के आयात में वृद्धि होने के कारण पिछले वर्ष के 17.0 प्रतिशत की तुलना में 25.3 प्रतिशत बढ़ा।
- ❖ व्यापार-घाटा वर्ष 2002-03 के दौरान 7.4 अरब (बिलियन) डॉलर की तुलना में वर्ष 2003-04 के दौरान 13.7 अरब (बिलियन) डॉलर रहा।

मौद्रिक एवं बैंकिंग क्षेत्र की गतिविधियाँ

- ❖ अप्रैल 29, 2003 के कारोबार की समाप्ति से बैंक दर में 0.25 प्रतिशत अंक की कमी लाई गई और वह 6.25 प्रतिशत से 6 प्रतिशत हो गई।
- ❖ आरक्षित नकदी निधि अनुपात को 3.0 प्रतिशत के सांविधिक न्यूनतम स्तर तक कम करने के भारतीय रिजर्व बैंक के मध्यावधि उद्देश्य के क्रम में आरक्षित नकदी निधि अनुपात को 0.25 प्रतिशत अंक कम कर 4.75 प्रतिशत से 4.5 प्रतिशत किया गया, जो कि 14 जून 2003 से शुरू होने वाले पखवाड़े से लागू है।
- ❖ सभी प्रकार की प्रत्यावर्तनीय जमा राशियों के परिपक्वता ढाँचे को एकरूपता प्रदान करने के लिए नई एन आर ई जमा राशियों की परिपक्वता अवधि को एफसीएनआर (बी) जमा राशियों की तरह 1 से 3 वर्ष निर्धारित किया गया है। यह मौजूदा परिपक्वता अवधि के पश्चात् नवीकृत एनआरई जमा राशियों के लिए भी लागू है।

Economy

- ❖ Domestic Economy was marked by encouraging developments in the key segments. The overall industrial growth during the year 2003-04 is estimated higher at 6.60% as compared to 6.20% in the previous year. Services sector is also estimated to have grown by 8.20% as against 7.2% during the previous year. Growth in the Agriculture sector is estimated at 9.1%. Overall GDP growth in 2003-04 is estimated at 8.1% compared to 4.0% for 2002-03.
- ❖ Inflationary pressures for the year were contained within manageable level. Annual rate of inflation in 2003-04, as measured by increase in Wholesale Price Index on an average basis, was higher at 5.4% compared with 3.4% in the previous year, while on a point to point basis, it declined from 6.5% at end March 2003 to 4.5% at end March 2004.
- ❖ India's foreign exchange reserves continued to record a healthy growth and rose by \$37.6 billion during 2003-04 to reach \$113.0 billion as at end March 2004, from \$75.4 billion as at end March 2003.

Exports and Imports

- ❖ Exports during the fiscal 2003-04 increased by 17.1% as compared to 20.3% in the previous year.
- ❖ The country's imports during the fiscal 2003-04 increased by 25.3% as compared to 17.0% in the previous year due to surge in oil imports.
- ❖ Trade deficit for 2003-04 was \$13.7 billion compared to \$7.4 billion during 2002-03.

Monetary and Banking developments

- ❖ Bank rate was reduced by 0.25 percentage point from 6.25% to 6% with effect from the close of business of April 29, 2003.
- ❖ In line with the medium-term objective of the RBI of reducing Cash Reserve Ratio (CRR) to the statutory minimum level of 3.0%, CRR was reduced by 0.25 percentage point to 4.5% from 4.75% effective fortnight beginning June 14, 2003.
- ❖ In order to provide uniformity in the maturity structure for all types of repatriable deposits, the maturity period of fresh NRE deposits has been fixed at 1 to 3 years in line with FCNR (B) deposits. This is also applicable to NRE deposits renewed after the present maturity period.



- ❖ भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों द्वारा लाभांश का पैसा देने के लिए नए मानदण्डों की घोषणा की है। भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुसार बैंकों को रिज़र्व बैंक के पूर्व अनुमोदन के बिना लाभांश की घोषणा करने की केवल तभी स्वायत्तता होगी, जबकि उनके पास पिछले दो पूर्ण वर्षों में और उस लेखा वर्ष में जिसके लिए लाभांश की घोषणा करना चाहते हैं, जोखिम भारित परिसंपत्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात कम से कम 11 प्रतिशत हो। इसके अतिरिक्त उनकी निवल अनर्जक आस्तियों का निवल अग्रिमों से अनुपात तीन प्रतिशत से कम होना चाहिए।
- ❖ विभिन्न बैंकिंग सेवाओं से सम्बन्धित ग्राहक सेवाओं में व्यापक सुधार को मदद देने के लिए प्रत्येक वाणिज्यिक बैंक को भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों द्वारा प्रदान की जानेवाली जन-सेवाओं की प्रक्रियाओं और कार्यनिष्पादन की जाँच के लिए एक तदर्थ समिति के गठन की सलाह दी है।
- ❖ भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपनाई गई स्वच्छ नोट नीति के अन्तर्गत उसके सभी निर्गम कार्यालयों में करेंसी नोट संसाधन के क्रियाकलाप का मशीनीकरण हो गया है। स्टेपल पिन रहित स्थिति में नोटों को सम्भालने की व्यवस्था को मदद देने के लिए बैंकों को सलाह दी गई थी कि वे नोट गिनने व छोटने की मशीनों और नोटों को पट्टों से बाँधने की मशीनों जैसी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। नए नोटों और सिक्कों के वितरण माध्यम को बढ़ाने के लिए तथा संचलन से गंदे नोटों को वापस लेने के लिए बैंकों को यह भी सलाह दी गई थी कि वे मुद्रा तिजोरियों तथा छोटे सिक्कों के आगारों की संख्या को बढ़ाएँ, गंदे नोटों और सिक्कों की अदला-बदली स्वीकार करें, कटे-फटे नोटों के न्याय निर्णयन की सुविधाएं प्रदान करें और अपने एटीएम पर्याप्त मात्रा में लगाएं।

बैंक का कार्य निष्पादन

दक्षिण भारत में स्थित सभी सेवा ब्रैंडों में बैंक को प्रथम स्थान का ब्रैंड माना गया है और दिसंबर 2003 में सेवा वर्ग में अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीयकृत बैंकों में इसे पाँचवा स्थान तथा सरकारी क्षेत्र के बैंकों में छठा स्थान दिया गया है। (स्रोत - ब्रैंड इक्विटी - एसी नीलसन - ओ आर जी मार्ग द्वारा किया गया सर्वेक्षण)

- ❖ The Reserve Bank of India has announced new norms for dividend payouts by banks. As per the directions of the Reserve Bank of India, banks will have the autonomy to declare dividends without its prior approval only if they have a capital-to-risk weighted-assets ratio (CRAR) of at least 11 percent in the preceding two completed years and the accounting year for which they propose to declare dividend. In addition, their net non-performing assets to net advances ratio should be less than three per cent.
- ❖ In order to support broad-based improvement in customer services in relation to various banking services, each commercial bank has been advised by RBI to constitute an Adhoc Committee to undertake Procedures and Performance Audit on public services rendered by the bank.
- ❖ The Clean Note Policy was adopted by the Reserve Bank of India with the mechanisation of currency note processing activity in all the Issue Offices of the Reserve Bank of India. In order to support the system for handling notes in a de-stapled condition, banks were advised to provide necessary infrastructure like note banding machines and note counting/sorting machines. In order to expand the distribution channels for fresh notes and coins and withdraw the soiled notes from circulation, banks were also advised to increase the number of currency chests and small coin depots, accept soiled notes and coins in exchange, offer facilities for adjudication of mutilated notes and stock their ATMs adequately.

Performance of the Bank

The Bank is adjudged as number 1 brand among all South based service brands and has been ranked No.5 amongst Nationalised Banks and No.6 amongst Public Sector Banks, at all India level in the service category (source: Brand Equity - Survey by AC Nielsen-ORG-MARG), in December 2003.

वर्ष 2003-04 के दौरान बैंक के कार्यनिष्पादन की झलकियाँ निम्नवत् हैं :

The highlights of performance of the Bank during the year 2003-04 are given below:

(रु. करोड़ में) / (Rs. in crore)	2002-03	2003-04	सुधार/Improvement
निवल लाभ/ Net Profit	188.83	405.75	114.88%
परिचालन लाभ / Operating Profit	590.25	802.46	35.95%
निवल अनर्जक आस्तियों का अनुपात / NNPA Ratio	6.15%	2.71%	55.93%
निवल ब्याज आय/ Net Interest Income	820.39	1117.06	36.16%
पूँजी पर्याप्तता अनुपात / Capital Adequacy Ratio	10.85%	12.82%	18.16%
आस्तियों पर प्रतिलाभ / Return on Assets	0.65%	1.21%	86.15%



- बैंक के परिचालन लाभ में वर्ष 2003-04 के दौरान 35.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वर्ष 2002-03 के परिचालन लाभ रु.590.25 करोड़ से बढ़कर रु.802.46 करोड़ हो गया ।
- वर्ष 2003-04 में निवल लाभ 114.88 प्रतिशत की वृद्धि से रु.405.75 करोड़ हो गया, जबकि वर्ष 2002-03 में यह रु.188.83 करोड़ था ।
- सकल कारोबार रु.45,000 करोड़ के आँकड़े को पार कर 31.03.2003 के रु.40169 करोड़ से 31.03.2004 को रु.45,379 करोड़ हो गया और रु.5210 करोड़ (12.97 प्रतिशत) की वृद्धि दर्ज की ।
- निवल एनपीए कम होकर निवल अग्रिमों का 2.71 प्रतिशत हो गया (मार्च 2003 को 6.15 प्रतिशत) ।
- मुनाफे में इजाफा होने के कारण बैंक का पूँजी पर्याप्तता अनुपात सुधर कर मार्च 2004 को 12.82 प्रतिशत हो गया, जो कि मार्च 2003 में 10.85 प्रतिशत था ।
- आस्तियों पर प्रतिलाभ वर्ष 2002-03 के 0.65 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2003-04 में सुधरकर 1.21 प्रतिशत हो गया ।
- अंतिम रूप से प्रतिकर्मचारी कारोबार वर्ष 2002-03 में रु.179 लाख था, जो सुधरकर वर्ष 2003-04 में रु.205 लाख हो गया ।

जमाराशियाँ

- बैंक की कुल जमा राशियों में रु.3428 करोड़ की वृद्धि हुई और वह बढ़कर रु.30444 करोड़ हो गई (31.03.2003 को जमाराशियाँ रु.27016 करोड़ थीं) ।
- बैंक की कुल देशी जमाराशियों (अन्तर बैंक जमा राशियों को निकालकर) में रु.3374 करोड़ (13.05 प्रतिशत) की वृद्धि हुई और वह पिछले वर्ष दर्ज हुई रु.3191 करोड़ (14.08 प्रतिशत) की वृद्धि के मुकाबले रु.25850 करोड़ (31.03.2003) से बढ़कर रु.29224 करोड़ हो गई ।
- जमा राशियों की औसत लागत वर्ष 2002-03 की 6.42 प्रतिशत से घट कर वर्ष 2003-04 में 5.41 प्रतिशत हो गई ।
- देशी अल्प लागत जमा मिश्र पिछले वर्ष के 33.11 प्रतिशत से सुधर कर 31.03.2004 को 34.26 प्रतिशत हो गया ।

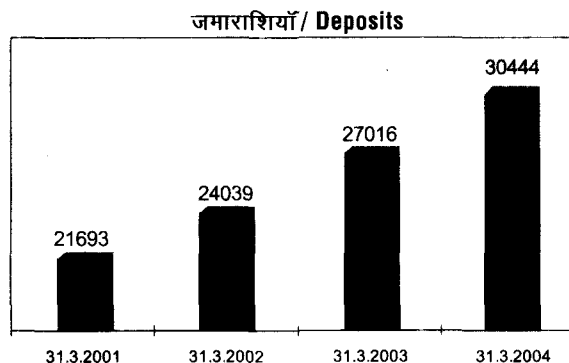
ऋण

- ◆ बैंक का सकल अग्रिम 31.03.04 को 1782 करोड़ की वृद्धि से 31.03.03 के रु.13153 करोड़ से बढ़कर रु.14935 करोड़ हो गया । निवल अग्रिम रु.12275 करोड़ से बढ़कर रु.14126 करोड़ हो गए ।
- ◆ सकल देशी ऋण पिछले वर्ष के दौरान रु.1364 करोड़ (13.14 प्रतिशत) की वृद्धि के मुकाबले 31.03.2004 को रु.2091 करोड़ (17.81%) बढ़कर रु 13834 करोड़ हो गया ।

- The Bank's **Operating Profit** was up by 35.95% at Rs.802.46 crore for 2003-04, from Rs.590.25 crore for 2002-03.
- **Net Profit** for the year 2003-04 grew by 114.88% to Rs.405.75 crore as against Rs. 188.83 crore for 2002-03.
- **The Gross Business** crossed Rs.45,000 crore mark and reached Rs.45,379 crore as on 31.03.2004 from Rs.40,169 crore as on 31.03.2003 registering a growth of Rs.5,210 crore (12.97%).
- **Net NPAs** fell to 2.71% of Net Advances (6.15% for March 2003).
- **Capital Adequacy Ratio** of the Bank improved to 12.82% for March 2004 from 10.85% for March 2003 due to improved profit.
- **Return on Assets** improved to 1.21% for the year 2003-04 as compared to 0.65% for 2002-03.
- **Terminal Business per employee** improved to Rs.205 lakh for 2003-04 from Rs.179 lakh for 2002-03.

Deposits

- Total deposits of the Bank grew by Rs. 3,428 crore to Rs.30,444 crore (from Rs.27,016 crore as on 31.03.2003).
- Domestic aggregate deposits of the Bank (excluding Inter Bank deposits) increased by Rs.3,374 crore (13.05%) to Rs.29,224 crore from Rs.25,850 crore (31.3.2003) as against a growth of Rs.3,191 crore (14.08%) recorded during the last year.
- Average Cost of deposits fell to 5.41% for 2003-04 from 6.42% for 2002-03.
- Domestic Low cost deposit mix improved to 34.26% as on 31.03.2004 from 33.11% for last year.



Credit

- ◆ Gross advances of the Bank grew by Rs.1,782 crore (13.55%) to Rs.14,935 crore as on 31.03.04 from Rs.13,153 crore as on 31.03.03. Net Advances rose from Rs.12,275 crore to Rs.14,126 crore.
- ◆ Domestic Gross Credit increased by Rs.2,091 crore (17.81%) to Rs.13,834 crore as on 31.03.2004 against a growth of Rs.1,364 crore (13.14%) during last year.